बानोडा बालाजी दरबार कार्यक्रम में स्पीकर महोदय हेतु सम्बोधन

श्री बानोडा बालाजी महाराज की जय।

भगवान शेषनाग के अवतार श्री कल्ला जी महाराज की जय।

भगवान कार्तिकेय जी की जय।

रिद्धि सिद्धि के दाता भगवान श्री गणेश जी की जय।

सिद्धिदात्री माता, श्री गायत्री माता जी की जय।

श्री महालक्ष्मी माता जी, श्री पंचमुखी हनुमान जी, श्री नरसिंह भगवान जी, श्री दशावतार भगवान, श्री महाकाल भगवान की जय।

श्याम बाबा की जय। भैरव बाबा की जय।

1. श्री श्री 1008 बानोडा जी बालाजी दरबार में आकर आज मैं बहुत प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। आज निर्जला एकादशी के शुभ दिन पर सुबह जोगणिया माता जी के दर्शन किए, उसके बाद गायत्री यज्ञ महोत्सव में शामिल हुआ और अब बालाजी महाराज के दर्शन का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। आज का मेरा पूरा दिन भक्तिमय रहा है। यह मेरे यादगार दिनों में से एक है।

2. इसी के साथ मेरा एक और सौभाग्य कि मेरा आज का दिनचित्तौड़गढ़ की पावन भूमि में बीता है। चित्तौड़ धरा बलिदानों की भूमि है। साहस, स्वाभिमान और शौर्य की भूमि है। मेवाड़ धरा महाराणा सांगा, महाराणा कुंभा, महाराणा प्रताप के शौर्य की भूमि है।

3. यह स्थान भगवान शेषनाग के अवतार श्री कल्ला जी राठौड़ का भी पूजा स्थान है। जब-जब हम राजस्थान प्रदेश में वीरता और पराक्रम की बात करते हैं, तब चार हाथ वाले योद्धा देव श्री **कल्ला जी राठौड़ की वीरता हमें याद आती है।** युद्ध के दौरान कल्ला जी की गर्दन कट गई थी, तब उनके धड़ ने भी युद्ध किया था। ऐसे सेनानियों ने इस मरुधरा को वीरों की धरा बनाया है। इस पावन धरा को मैं बारम्बार प्रणाम करता हूँ। यह प्रदेश और चित्तौड़ नगर शक्ति के साथ ही भक्ति का भी स्थान है।

4. प्रिय मित्रों, भक्ति और शक्ति का सुंदर समन्वय हमें हनुमान जी के जीवन में भी देखने को मिलता है। भगवान राम के लिए हनुमान जी की भक्ति जैसा उदाहरण जहाँ हम दुनिया में दूसरा नहीं देखते हैं, वहीं हम शक्ति के लिए भी हनुमान जी की पूजा करते हैं। हनुमान जी अष्ट सिद्धि और नौ निधि के दाता देव हैं। जीवन के कितने

ही कौशल, फिर चाहे मैनेजमेंट हो, प्रजेंटेशन हो, बुद्धि का सही स्थान पर उपयोग, नैतिकता, सत्यनिष्ठा जैसे आदर्श हम हनुमान जी के कार्यों से सीख सकते हैं।

5. बानोडाके पावन बालाजीधामके लिए मैंने सुना है कि यह वो स्थान है जहाँ मन की मनोकामना पूरी होती है।

6. हर समस्या और कठिनाई से पार पाने की शक्ति भगवान बालाजी के आशीर्वाद से मिलती है। आज मैं यहाँ से प्रार्थना करता हूँ कि हमारे देश, प्रदेश और चित्तौड़ नगरी में सुख-समृद्धि और खुशहाली का विस्तार हो, सभी का जीवन सुखी हो, लोग स्वस्थ हो, निरोगी हो।

7. मुझे जानकारी हुई कि इस मंदिर में निरंतर यज्ञ होता है। यज्ञ हमारी सनातन संस्कृति का अहम हिस्सा रहे हैं। देवताओं को प्रसन्न करने के लिए वैदिक काल से ही यज्ञ किए जाते रहे हैं। अच्छी बारिश के लिए, अच्छी फसल के लिए, नकारात्मक शक्तियों को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा के लिए तथा वातावरण की पवित्रता के लिए यज्ञ आयोजन हमारे सामान्य अनुष्ठानों में शामिल माने गए हैं। हमारे संस्कारों और रिवाजों में अग्नि को देवता माना गया है। यज्ञ के माध्यम से हम अग्नि देव को पवित्र भेंट समर्पित कर स्वच्छ एवं पवित्र परिवेश के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति दर्शाते हैं। बानोडा धाम में अखंड यज्ञ आयोजन यहाँ इस स्थान को अत्यधिक पावन बनाता है।

8. यहाँ बालाजी के प्रति लोगों की श्रद्धा बताती है कि इस स्थान में कितना चमत्कार है। यहाँ भगवानबालाजीका चरणामृत लेने और भभूत से कई बीमारियाँ, कई कठिनाइयाँ दूर हो जाती हैं।

9. आसपास के साढ़े चार सौ गाँवों और पास के प्रदेशों से लाखों भक्त यहाँ आते हैं। हर साल धार्मिक आयोजनों के साथ मंगलवार-शनिवार को यहाँ भक्तों का मेला लगता है। अनेक लोगों की अपार श्रद्धा हमें बताती है कि यह स्थान कितना पावन और दिव्य है।

10. प्रिय साथियों! हमारे ये प्राचीन मंदिर हमारी संस्कृति को दर्शाते हैं। और यह हमारा धर्म, हमारी संस्कृति और परम्पराएं ही हैं, जो मानव को मानव से जोड़ते हैं। हमारेत्योहार और धार्मिक आयोजनों में अलग-अलग जाति के, अलग-अलग क्षेत्र के लोग साथ आते हैं। एक साथ आरती गाते हैं, एक ही ईश्वर में ध्यान लगाते हैं, एक ही ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। यह सामूहिकता की भावना, यह एकजुटता की भावना हमारी संस्कृति के मूल में है। यही भारत की आस्था की, हमारे अध्यात्म की, हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा की ताकत है।

11. हमारी संस्कृति और परंपरा ही है जिसने विदेशी शासन के विरोध में देश को एकजुट किया था और भारत आजाद हुआ था। देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के लोग, अलग-अलग वर्गों/समूहों के लोग

आज जब भारतीय संस्कृति की बात आती है तो जो भी इस देश और परंपरा से जुड़े लोग हैं, वो सब सब एकजुट नजर आते हैं।

12. मित्रों! अनेक ऋषि, मुनि, साधक और संतों ने हमारे देश भारत में जन्म लिया है। इस धरती ने दुनिया को भक्ति और समर्पण का संदेश दिया है। ज्ञान और सभ्यता का संदेश भारत ने विश्व को दिया है। संत कबीर, दादू दयाल जी, तुलसीदास जी, रैदास जी, धन्ना जी, मीरा बाई, गवरीबाई, सूरदास जी जैसे अनेक महान लोगों ने भारतभूमि पर जन्म लिया है। इस भूमि को इन संतों से अपने जन्म और कर्मों से पावन किया है।

13. हमारे संतो, महंतो, ऋषि-मुनियों औरभक्तों ने लोगों को आध्यात्मिक रूप से जागरुक किया था। जिससे भारत की आजादी के आंदोलन को मजबूती मिली थी। हमारे संतों-महात्माओं ने हमेशा सर्वजनहिताय, सर्वजनसुखाय औरसर्वजन कल्याण का संदेश दिया है। इसी संदेश के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया है।

14. सेवा और समर्पण का यह भाव हनुमान जी भी सिखाते हैं। हनुमानजी की भक्ति सेवा के रूप में भी थी और समर्पण के रुप में भी थी। केवल कर्मकांड वाली भक्ति हनुमानजी ने कभी नहीं की। हनुमानजी ने खुद को मिटाकर, साहस कर, पराक्रम कर खुद की सेवा की उंचाइओ को बढाते गये। उन्हें अपने भगवान राम पर तो भरोसा था ही, मगर भगवान राम के नाम पर भी उनकी अटूट श्रद्धा थी।

15. रामायण में हम पढ़ते हैं कि चाहे समुद्र लांघकर लंका जाना हो या लंका के लिए पुल बनाना हो, या फिर संजीवनी बूटी लानी हो; हनुमान जी ने बड़ी से बड़ी बाधाओं को भगवान राम का नाम लेकर पार किया। इतना विश्वास उन्हें अपने प्रभु के नाम पर था।

16. प्रिय साथियों, आज हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, तकनीकी सहित जीवन के हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। सबकेसमावेशी विकास के लिए सरकार योजनाएं बना रही है। लोगों को योजनाओं और सरकार की पहलों का लाभ मिल भी रहा है। इसके बावजूद भी मुझे लगता है कि कई बार सरकारी कार्यक्रमों का लाभ योग्य व्यक्ति तक नहीं पहुँच पाता। जिस इंसान को वास्तव में जरूरत है, जो असहाय है; कई बार ऐसा होता है जब शासन-प्रशासन उस ज़रूरतमन्द तक नहीं पहुँच पाता है। सकारात्मक बदलाव लाने के हमारे प्रयास तब निष्फल हो जाते हैं।

17. उस स्थिति में आमजन एक काम कर सकते हैं। आप में से जो युवा हैं, जो इस क्षेत्र के जागरुक और जिम्मेदार लोग हैं; वो लोग वास्तव के ज़रूरतमन्द लोगों तक सहायता पहुँचाने के लिए सरकार और जनता के मध्य पुल का काम कर सकते हैं। इसी ऐसे समझिए कि अगर आपके आसपास, आपकी जानकारी में कोई है

जिसे खाद्य सुरक्षा के राशन की आवश्यकता है लेकिन मिल नहीं रहा, तब आप उसकी मदद कर सकते हैं। कोई व्यक्ति जिसे अपने बच्चों को आगे पढ़ाना है लेकिन कोई जानकारी नहीं है, आप उसकी मदद कर सकते हैं। इस तरह जीवन के कई क्षेत्रों में आप कल्याणकारी कार्यों का विस्तार और प्रसार कर सकते हो।

18. हम सब जानते हैं कि महर्षि बाल्मीकिजी और तुलसीदास जी ने भगवान श्रीराम जी के जीवन चरित्र पर रामायण और रामचरितमानस लिखी थी। उन ग्रंथों को सभी लोगों ने तो पढ़ा नहीं, लेकिन हम देखते हैं कि सामान्य जन को भी भगवान राम के बारे में, रामायण के बारे में जानकारी रहती है।

19. जिस तरह भगवान राम के जीवन संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का काम समाज के शिक्षित, जिम्मेदार और जागरुक लोगों द्वारा किया गया है।मैं समझता हूँ कि इसी तरह समाज के हाशिये पर जो व्यक्ति बैठा है, हमें उस तक सार्वजनिक योजनाओं, कार्यक्रमों का लाभ दिलाने की दिशा में अपना प्रयास करना चाहिए। सेवा, सहायता और सहयोग का यह संदेश भगवान राम जी और भगवान हनुमानजी हमें देते हैं।

20. प्रिय साथियों! मैंने सुना है कि बानोडा के इस पावन धाम में साक्षात बालाजी भगवानविराजमान हैं। यहाँ विराजे बालाजी महाराज से मैं एक बार फिर सच्चे मन से क्षेत्र की खुशहाली और देश व प्रदेश की प्रगति की प्रार्थना करता हूँ। बानोडाबालाजी दरबार सबको सुखी और सम्पन्न बनाएं। चित्तौड़ और जयनगरग्राम पंचायत का व्यक्ति-व्यक्ति समृद्ध हो, सबकी इच्छा पूरी हो, आज बाबा से यहीं मनोकामना है।

21. आज इस शुभ अवसर पर एक बार फिर मैं आप सबको अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। भगवान बालाजीके चरणों में प्रणाम करता हूं।

धन्यवाद। जय बालाजी महाराज की।